MAHD-09

June - Examination 2019

MA (Final) Hindi Examination

लोक साहित्य

Paper - MAHD-09

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) लोकसाहित्य में लोकवार्ता का क्या महत्व है?

(ii) लोकगीत और लोकगाथा में अन्तर को संक्षिप्त में लिखिए।

(iii) किन्हीं दो प्रसिद्ध लोकगाथाओं के नाम लिखिए।

(iv) लोकमानस की कोई दो विशषताएँ लिखिए।

(v) राजस्थान संगीत नाटक अकादमी किस जगह स्थित है?

(vi) रुपायन संस्था, बौरुंदा का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(vii) कथानक रूढ़ियों की परिभाषा लिखिए।

(viii) 'गवरी नृत्य' किस समुदाय का नृत्य है।

खण्ड – ब $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) 'लोकगीत' को अखण्ड रस का स्त्रोत क्यों कहा जाता है? स्पष्ट कीजिए।

3) लोकसाहित्य के संरक्षण की आवश्यकता क्यों होती है? समझाइए।

4) अवधी लोक साहित्य के अध्ययन पर प्रकाश डालिए।

5) लोककथाओं के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

6) लोकसाहित्य के क्षेत्र में पदम श्री देवीलाल सामर के अवदान पर प्रकाश डालिए।

7) ''लोककथाओं में समाज और संस्कृति के तत्वों का दिग्दर्शन होता है'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

8) परी नृत्य किसे कहते हैं? इसके करने की क्या प्रक्रिया होती है? प्रकाश डालिए।

9) राजस्थान की लोककला 'मांडणा' का वर्णन कीजिए।

खण्ड – स **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) राजस्थान की लोकनाट्य शैलियों का विवेचन कीजिए।

11) लोकगाथा का स्वरूप–प्रकार एवं विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

12) हरियाणवी लोक साहित्य पर एक लेख लिखिए।

13) टिप्पणी कीजिए।

(i) तन्नोटमाता

(ii) आवरी माता

(iii) राजस्थानी लोक सुभाषित

(iv) मालवी लोक कथाएँ